सं. ए-45011/3/2022-प्रशासन III

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

***

नई दिल्ली, 10 अक्तूबर, 2022

कार्यालय ज्ञापन

अधोहस्ताक्षरी को अगस्त, 2022 माह के लिए आर्थिक कार्य विभाग के संबंध में महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णयों पर मासिक सारांश के अवर्गीकृत भाग को इसके साथ परिचालित करने का निदेश हुआ है।

10/10/2022

(रविन्द्र कुमार)

निदेशक (प्रशा. IV और समन्वय)

दूरभाष नं. 2309-5244

प्रति

1. केंद्रीय मंत्रिपरिषद के सभी सदस्य, भारत सरकार, नई दिल्ली।
2. उपाध्यक्ष, नीति आयोग, योजना भवन, नई दिल्ली।
3. मंत्रिमंडल सचिव, मंत्रिमंडल सचिवालय, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली।
4. भारत के राष्ट्रपति के सचिव, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली।
5. भारत के उपराष्ट्रपति के सचिव, 6, मौलाना आजाद रोड, नई दिल्ली।
6. प्रधान मंत्री के प्रधान सचिव, पीएमओ, साउथ ब्लॉक, नई दिल्ली।
7. अध्यक्ष, लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली।
8. नीति आयोग के सभी सदस्य, योजना भवन, नई दिल्ली।
9. सभी मंत्रालयों/विभागों के सचिव, भारत सरकार, नई दिल्ली।
10. राज्यमंत्री (वित्त) के निजी सचिव, वित्त सचिव के प्रधान निजी सचिव, सचिव (ईए) के प्रधान निजी सचिव, सचिव (राजस्व) के प्रधान निजी सचिव, सचिव (व्यय) के प्रधान निजी सचिव, (दीपम) के प्रधान निजी सचिव।
11. श्री वी.अनंत नागेश्वरन, मुख्य आर्थिक सलाहकार, आर्थिक कार्य विभाग।
12. अपर सचिव, मंत्रिमंडल सचिवालय, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली।
13. श्री मनोज सहाय, अपर सचिव और वित्तीय सलाहकार (वित्त) ।
14. श्रीमति मनीषा सिन्हा, अपर सचिव (प्रशा./ सीएंडसी/ ओएमआई) ।
15. आर्थिक कार्य विभाग में सभी प्रभागों के प्रमुख।
    संयुक्त सचिव (आईपीपी/संयुक्त सचिव (आईएसडी)/संयुक्त सचिव (आईएनवी)/ संयुक्त सचिव (बजट)/सभी सलाहकार/सीएएए
16. श्री राजेश मल्होत्रा, महानिदेशक (एम एंड सी), वित्त मंत्रालय, नॉर्थ ब्लॉक, नई दिल्ली।
17. गार्ड फाइल – 2022

संख्या.क-45011/3/2022-प्र.शा.III

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

***

विषयः अगस्त, 2022 माह के लिए आर्थिक कार्य विभाग (डीईए) से संबंधित महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णयों पर मासिक सारांश

I. माह के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां:

वृहद आर्थिक सिंहावलोकनः

कोविड-19 से उबरने और रूस-यूक्रेन संघर्ष के नकारात्मक फैलाव पर, 2022-23 की पहली तिमाही में एक मजबूत आर्थिक विकास ने भारत को दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए यूके से आगे निकलने में मदद की है। 2022-23 की पहली तिमाही में वास्तविक जीडीपी अब 2019-20 के अपने क्रमिक स्तर से लगभग 4% आगे है, इस प्रकार महामारी के बाद के चरण में भारत के विकास पुनरुद्धार के लिए एक मजबूत शुरुआत है।

संपर्क-गहन सेवा क्षेत्र में 2022-23 भवन में रुकी हुई मांग और टीकाकरण के लगभग सार्वभौमिकरण के विकास को गति देने की संभावना है। उपभोक्ताओं की बढ़ती भावनाओं और बढ़ते रोजगार के कारण निजी खपत में तेजी से उछाल आने वाले महीनों में विकास को बनाए रखेगा।

चालू वर्ष में निजी खपत में वृद्धि और उच्च क्षमता उपयोग ने 2022-23 की पहली तिमाही में निवेश दर को पिछले दशक में अपने उच्चतम स्तर पर ले जाने के लिए पूंजीगत व्यय चक्र को और मजबूत किया है। निजी निवेश में अधिक परियाजनाओं की भी सरकार के बढ़ते हुए पूंजीगत व्यय द्वारा भी सहायता की गई है जो अगस्त 2022-23 तक पिछले वर्ष के क्रमिक स्तर की तुलना में 35% अधिक रहा है। पूंजीगत व्यय पर सरकार का खर्च जारी रहने की संभावना है क्योंकि चालू वर्ष की शेष अवधि में राजस्व वृद्धि में उछाल कम रहने की उम्मीद है।

2022-23 की पहली तिमाही के दौरान आर्थिक गतिविधियों में व्यापक-आधारित वृद्धि रोजगार संकेतकों में सुधारों में परिलक्षित होती है। ईपीएफओ में निवल (पेरोल) वेतन वृद्धि पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 2022-23 की पहली तिमाही में दोगुना हो गई। आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) दिखाता है कि शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी दर लगातार चौथी तिमाही में घट कर 2022-23 की पहली तिमाही में 7.6% हो गई है, जो कि पूर्व-महामारी स्तर से कम है। मनरेगा के तहत काम की मांग मई से कम हो रही है और पिछले दो वर्षों की इसी अवधि की तुलना में अगस्त 2022 में सबसे कम थी, जो ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी दर में संभावित कमी का संकेत है।